मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha365@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2021-23 /R.N.I. No. 2022007062

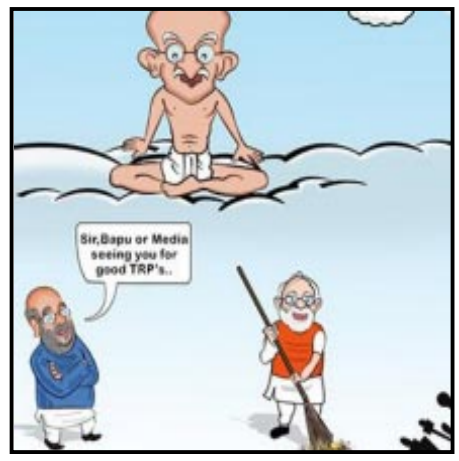

फ़ासीवाद का एक इलाज, ख़त्म करो पूंजी का राज 2
ढोल बजाने से नहीं खत्म होगी टीबी 4
गिरफ्तारियों का दौर है; हर एक रीढ़ परखी जाएगी 5
न्यूज़क्लिक को मिला एक-एक पैसा जायज और कानूनी 6
ईएसआई कॉर्पोरेशन वसूली में तगड़ी, खर्चे में पिछड़ी 8

वर्ष 37 | अंक -47 | फरीदाबाद | 8-14 अक्टूबर 2023 | फोन-8851091460 | ₹ 5.00

स्थायी अतिक्रमण, अवैध निर्माण पर कब चलेगी सरकारी जेसीबी

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) लूट कमाई और भ्रष्टाचार में माहिर नगर निगम के तोड़फोड़ विभाग को रेहड़ियों पर फेरी लगाकर सामान बेचने वाले, पटरियों पर चादर बिछा दिन भर में सौ दो सौ रुपये कमा कर परिवार का पेट पालने वाले गरीब ही अतिक्रमणकारी नजर आते हैं। मंगलवार और बुधवार को निगम की टीम ने बीके चौक, दशहरा मैदान और बीके चौक से मेट्रो मोड़ तक सड़क पर खड़ी रेहड़ियों और उन पर रखे सामान को तहस नहस कर डाला।

नगर निगम की टीम जिस बीके-मैट्रो सड़क पर गरीबों की रेहड़ी तोड़ रही थी ठीक उसके दूसरी ओर कई करोड़पति शोरूम वालों का अतिक्रमण उसे नजर नहीं आया। मैट्रो मोड़ से एनआईटी एक दो के चौक तक बंग्लो प्लॉट में चल रही बड़ी बड़ी दुकानें और उनके द्वारा सड़क तक किए गए अतिक्रमण पर उनकी जेसीबी नहीं चलती। एनआईटी एक-दो चौक से

फ्रंटियर कॉलोनी में गुरुद्वारे के बगल में अतिक्रमण और अवैध निर्माण पर नहीं चलता बुलडोजर

दो नंबर गुरुद्वारे वाली सड़क पर दोनों ओर दोपहिया शोरूम वालों ने सड़क को ही बाइकों का शोरूम और गोदाम बना रखा है लेकिन नगर निगम की जेसीबी कभी इधर नहीं चलती। चले भी कैसे दुकानदारों से मंथली जो बंधी हुई है। गरीबों पर तो बिना नोटिस और सूचना दिए सीधे तोड़फोड़ शुरू कर दी गई, उन्हें अपना सामान फल आदि हटाने तक का मौका नहीं दिया गया।

इसके विपरीत बड़े और रसूखदार अतिक्रमणकारियों के खिलाफ अभियान चलाया ही नहीं जाता, तोड़फोड़ दस्ते के अधिकारी मोटी वसूली कर चुपचाप बैठे रहते हैं। गरीबों की रेहड़ी तोड़कर अपनी कार्रवाई का कोटा भी पूरा दिखा दिया जाता है। यदि बड़े अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश ऊपर से आता है तो सीधे कार्रवाई करने के बजाय उन्हें नोटिस भेजी जाती है, उन्हें समय दिया जाता है कि वह विधायक, मंत्री से मिलकर अभियान रुकवाने का आदेश जारी करा लें। वोट बैक की लालच में राजनेता ही अभियान रुकवा देते हैं, यदि नहीं रुकवाते हैं तो निगम अधिकारी भी फोर्स नहीं मिलने, तोड़ फोड़ दस्ते की मशीन खराब होने, स्टाफ न होने के बहाने बना कर अभियान चलने नहीं देते। सड़क किनारे रेहड़ी लगाने वाले, पटरियों पर छोटी सी दुकान लगाने वाले ये गरीब न तो भ्रष्ट निगम अधिकारियों को मोटा सुविधा शुल्क दे पाते हैं और न ही राजनेताओं तक इनकी पहुंच है, यही कारण है कि हमेशा इनके गले में ही अतिक्रमणकारी होने का हार पहना कर इन्हें बलि पर चढ़ाया जाता है।

निगम दस्ते ने बुधवार को दशहरा मैदान के बाहर चादर, पॉलिथीन, तिरपाल तान कर रहने वाले ख़ानाबदोश गरीबों के घर भी उखाड़ फेके। डबल इंजन की मोदी-खट्टर सरकार गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास जैसी न जाने कितनी आवासीय योजनाओं का ढिंढोरा पीटती हैं, अगर इन गरीबों को घर मिल गया होता तो ये सड़क किनारे चादर तान कर क्यों रहते? नगर निगम के एसडीओ सुमेर सिहं को इन गरीबों की झुग्गी-झोपड़ी तो दिख गई लेकिन इसी दशहरा मैदान से चंद कदम आगे फ्रंटियर कॉलोनी में गुरुद्वारे के ठीक बगल में स्थायी अवैध निर्माण और उसमें

शेष पेज तीन पर

अधिकारियों के संरक्षण एवं हिस्सापत्ती में ग्रेटर फरीदाबाद में हो रहा अवैध निर्माण

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) डीटीपी एन्फोर्समेंट, नगर निगम और हूडा के लूट कमाई में माहिर अधिकारियों की मिलीभगत से नहरपार ग्रेटर फरीदाबाद इलाके में कृषि भूमि पर व्यावसायिक गतिविधियां धड़ल्ले से जारी हैं। भू माफिया से गठजोड़ होने के कारण यह विभाग तो कोई कार्रवाई नहीं करते, सीएम फ्लाइंग और खुफिया विभाग भी नहर पार इलाके में चल रहे अवैध निर्माण पर चुप हैं। दरअसल, यह नहरपार इलाका केंद्रीय राज्यमंत्री किशनपाल गूजर का माना जाता है। उनका परिवार अमोलिक प्रॉपर्टीज के नाम से डेवलपर के रूप में तो सीधे काम कर ही रहा है, बताया जाता है कि वह खुद भी कई बड़े बिल्डरों के अघोषित पार्टनर हैं।

नहर पार इलाके में अम्मा का फाइव स्टार हॉस्पिटल बनने के बाद से इस इलाके में प्रॉपर्टी डीलर और डेवलपर्स की बाढ़ आ गई है। मास्टर रोड के दोनों ओर पड़ी कृषि भूमि पर धड़ल्ले से प्लॉट काटे जा रहे

ग्रेटर फरीदाबाद में कृषि भूमि पर धड़ल्ले से हो रहा अवैध निर्माण, प्रशासन मौन

हैं और व्यावसायिक कॉप्लेक्स व भवन बन रहे हैं। सेक्टर 29 का पुल पार करते ही सड़क के दोनों ओर कृषि भूमि पर प्रॉपर्टी डीलरों के कार्यालय लाइन से लगे हैं। धड़ल्ले से नया निर्माण होता भी दिख जाएगा। बिल्डर तुरंत ही प्लॉट से लेकर दुकान, फ्लैट तक के रेट बताने लगते हैं, लेकिन

शेष पेज तीन पर

भाजपाई पन्ना प्रमुख लग गये हैं पन्ने फाड़ने

भाजपा में आवाज उठाने वालों का मुंह कर दिया जाता है बन्द

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) संघ-भाजपा ने समाज का ध्रुवीकरण कर राजनीतिक हित में इस्तेमाल करने के लिए जिन लोगों और संगठनों को खड़ा किया था, वही अब सरकार को चुनौती देने लगे हैं। सरकारी संरक्षण मिला होने के घमंड में, गोरक्षा के नाम पर सांप्रदायिक तनाव फैलाने, हिंसक घटनाओं को अंजाम देने में आगे रहने वाले ये लोग अब सरकार द्वारा धोखा देने से दुखी हैं। इन्हें इस बात का अहसास हो गया है कि संघ-भाजपा ने उनका इस्तेमाल किया और अब कानून-व्यवस्था का बहाना बना कर भुगतने के लिए उन्हें अकेला छोड़ दिया गया। ये कट्टरपंथी तत्व अब सावर्जनिक कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री और सरकार को चुनौती देते नजर आ रहे हैं।

चुनावी वर्ष होने के कारण मुख्यमंत्री खट्टर और भाजपा को पन्ना प्रमुखों की याद आई है। भाजपा को बूथ जिताने वाले अधिकतर पन्ना प्रमुख ही 'गोरक्षक', हिंदू धर्म की रक्षा करने वाले कट्टरपंथी तत्व हैं। बीते रविवार को खट्टर इन पन्ना प्रमुखों को

शेष पेज चार पर